

M.A. (TRANSLATION STUDIES) (MATS)

Term-End Examination

December, 2016

**MTT-011 : HISTORY AND TRADITION OF
TRANSLATION**

00695

Time : 2 hours

Maximum Marks : 50

Note : (i) *Attempt any five questions. Question No. 9 is compulsory.*

(ii) *All questions carry equal marks.*

1. Describe the medieval Asian tradition of translation.
2. Examine the translation tradition and its nationalistic character in Colonial India.
3. Discuss the Chinese tradition of translation and underline the role of its founders.
4. What were the challenges faced by the translators of Buddhist texts in China ? Describe in detail.
5. Identity the key sources of origin of Indo-Arabic translation tradition.
6. Give an account of Western tradition of translation in detail.

7. Write a detailed note on the importance of translations of classical Indian fiction.
 8. Write an essay on Canadian tradition of translation.
 9. Write notes on **any two** of the following :
 - (a) Indo-Persian tradition of translation
 - (b) Kumarjiv
 - (c) Sherry Shimon
 - (d) Buddhist translation tradition of Sri Lanka
-

एम.ए. (अनुवाद अध्ययन) (एम.ए.टी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2016

एम.टी.टी.-011 : अनुवाद की परंपरा और इतिहास

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

- नोट : (i) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न क्रमांक 9 अनिवार्य है।
- (ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. मध्य कालीन एशियाई अनुवाद परंपरा पर प्रकाश डालिए।
2. औपनिवेशिक भारत में अनुवाद परंपरा और उसके राष्ट्रवादी स्वरूप की समीक्षा कीजिए।
3. चीनी अनुवाद परंपरा और उसके संस्थापकों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
4. चीन में बौद्ध धर्म ग्रंथों के अनुवादकों के सामने क्या-क्या चुनौतियाँ थीं? विस्तार से बताइए।
5. भारत-अरबी अनुवाद परंपरा के प्रमुख उद्भव सूत्रों की पहचान कीजिए।
6. पश्चिमी अनुवाद परंपरा का विवेचन विस्तार से कीजिए।

7. प्राचीन भारतीय कथा साहित्य/उपाख्यानों के वैश्विक अनुवादों के महत्त्व पर एक विशद टिप्पणी लिखिए।
8. कॅनाडाई अनुवाद परंपरा पर एक लेख लिखिए।
9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।
- (a) भारतीय-फारसी अनुवाद परंपरा
 - (b) कुमारजीव
 - (c) शेरी शिमोन
 - (d) अनुवाद की श्रीलंकाई बौद्ध परंपरा
-